भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 3184 #
गुरूवार, 19 मार्च, 2026/28 फाल्गुन, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

परियोजनाओं की प्रगति

3184 # श्री सुरेन्द्र सिंह नागर:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वदेश दर्शन और स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत अब तक कितनी परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है;

(ख) इनमें से अब तक कितनी परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं;

(ग) चुनौती आधारित गंतव्य विकास पहल के उद्देश्य क्या हैं और इसके अंतर्गत समर्थित परियोजनाओं की श्रेणियां क्या हैं;

(घ) क्या प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों के विकास के लिए दीर्घकालिक ब्याज-मुक्त सहायता का उपयोग किया जा रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय ने देश में विषय आधारित पर्यटन परिपथ विकसित करने के विचार से वर्ष 2014-15 में स्वदेश दर्शन योजना शुरू की और देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए 5290.33 करोड़ रुपये की 76 पर्यटन परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनमें से 75 परियोजनाओं के भौतिक रूप से पूर्ण होने की सूचना है। इस योजना को सतत और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में संशोधित किया गया और मंत्रालय ने एसडी 2.0 के तहत 2208.31 करोड़ रुपये की 53 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जो संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत अपनी 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास - सीबीडीडी' पहल के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्ताव आमंत्रित किए और संस्कृति एवं विरासत, आध्यात्मिक पर्यटन, जीवंत गांव, इको पर्यटन और अमृत धरोहर स्थलों जैसी चार श्रेणियों के तहत 697.94 करोड़ रुपये की 38 परियोजनाओं को मंजूरी दी। सीबीडीडी पहल का प्राथमिक उद्देश्य पर्यटन स्थलों का समग्र विकास करना है, ताकि, पर्यटन संबंधी अनुभव को बेहतर बनाया जा सके और पर्यटन स्थलों को सतत और जिम्मेदारीयुक्त स्थलों में परिवर्तित किया जा सके।

देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास करने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय ने "पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास" नामक योजना के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के प्रारूप के साथ-साथ परिचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी किए। तदनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस योजना के तहत 3295.76 करोड़ रु. की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

*****